IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

विद्यालय प्रकृति के सन्दर्भ में प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता

षषि चौधरी

सारांष

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्राथमिक षिक्षकोंकी विद्यालय प्रकृति के सन्दर्भ में आषावादिता का अध्ययन किया गया है।अध्ययन का उद्देश्य विद्यालय प्रकृति के सन्दर्भ में प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता का अध्ययन करना है।अध्ययन में सर्वेक्षण विधि को शोध विधि के रूप में प्रयुक्त किया गया है, प्रदत्तों के स्रोत प्राथमिक हैं तथाकुल 800 शिक्षकों ;400 सरकारी तथा 400 गैर–सरकारीकोयादृच्छिक विधि के माध्यम से न्यादर्ष हेतु चयन किया गया है। प्रदत्तों का विष्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण सांख्यिकी द्वारा किया गया है।

मूल षब्द –प्राथमिक षिक्षक,विद्यालय प्रकृति एवंआषावादिता।

प्रस्तावना :

शिक्षा एक अन्तर्विषयक प्रकृति का विषय क्षेत्र है। शिक्षा की प्रक्रिया को अनेक कारक प्रभावित करते हैं। जैसे – मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व आर्थिक स्थितियां मनोवैज्ञानिक कारकों में व्यक्ति की योग्यताओं, अभिरूचि, अभिवृत्ति, संवेगात्मक बुद्धि एवं मूल्य के अतिरिक्त आशावादिता भी प्रभावित करती है। आशावादिता एक अधिगमित एवं अर्जित विशेषता है। विद्यार्थियों में इस गुण के विकास में शिक्षक की भूमिका अहम् होती है। एक आशावादी शिक्षक अपने सम्पर्कीय वातावरण को सकारात्मक रूप से देखता है। वह न केवल इस गुण के साथ शिक्षण प्रक्रिया को संचालित करता है बल्कि विद्यार्थियों में आशाओं का निर्माण व संचार भी करता है। शिक्षण प्रक्रिया में आशावादिता के अर्थ को जानना आवश्यक हो जाता है।

आशावादिता के सामान्य समानार्थी शब्द उमंग, आश्वासन, विश्वास, सकारात्मक सोच, आशा एवं उम्मीद हैं। आशावादिता का शाब्दिक अर्थ हैं ''ठमेज वि सस चवेपइसम ूवतसक'' दुनिया में सबसे मुमकिन'' अर्थात् प्रत्येक परिस्थिति में सकारात्मक या आशा की सम्भावना।

मनोवैज्ञानिक अर्थ में आशावादिता को कह सकते हैं कि आशावादित एक ऐसा गुण है जो प्राप्त करने वाले लक्ष्यों में एवं क्रियाओं के बीच घनिष्ठ संबंध के रूप में पायी जाती है। दूसरों शब्दों में कह सकते हैं कि आशावादिता एक अनुकूल परिणाम प्राप्त करने या आशा के पक्ष को देखने की प्रवृत्ति है।

आशावादिता को सर्वप्रथम मनोवैज्ञानिक मार्टिन सैलिगमैन ने परिभाषित किया तथा उनकी पुस्तक ''अधिगमित आशावाद'' सन् 1990 में प्रकाशित हुई।

आशावादिता एक ऐसी अभिवृत्ति है जो व्यक्ति को इस बात पर केन्द्रित रखती है कि वर्तमान तथा भविष्य की परिस्थितियों के लिए क्या अच्छा है तथा क्या बुरा। आशावादिता एक चेतना है तथा इसे सकारात्मक मनोविज्ञान भी कहा जाता है। आशावादिता किसी भी नकारात्मक परिस्थिति में डटे रहने की शक्ति प्रदान करती है। आशावादिता तनाव या अवसाद से पीडित होने से बचाती है। सैलिगमैन ने निराशावादियों को विपरित परिस्थितियों में एक नये तरीके या आशावादी सोच का उपयोग करके सामना करने की सलाह दी है। और संक्षेप में आशावादी व्यक्ति के दृष्टिकोण को बताते हुये कहा है कि ''क्या हुआ एक विपरित स्थिति के आने पर, यह तो वास्तव में कोई व्यापक लक्ष्यों में से एक अस्थायी झटका है'' ।आशावादी व्यक्ति बुरी घटनाओं या अनुचित परिस्थितियों को अस्थायी या छोटी अवधि के लिये लेते है और जल्द ही विफलता या अनुचित परिस्थितियों से बाहर निकलकर अपनी सफलता के लिए आशा करने लगते हैं। आशावादी व्यक्ति किसी भी असफलता को जीवन की असफलता नहीं मानते हैं। इन्हीं विशेषताओं के आधार पर कहा जा सकता है कि आशावादिता किसी भी परिस्थिति में सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ ध्यान केन्द्रित करना है। दूसरे शब्दों में जब परिस्थितियाँ नकारात्मक हो तो आशावादिता उमंग की क्षमता है।

समस्या कथन

विद्यालय प्रकृति के सन्दर्भ में प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता।

अध्ययन के उद्देश्य

❖ विद्यालय प्रकृति के सन्दर्भ में प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता का अध्ययन करना।

परिकल्पना–

- सरकारी एवं गैर–सरकारीप्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

अध्ययन के चर

स्वतन्त्र चर : विद्यालय प्रकृति

आश्रित चर : शिक्षकों की आषावादिता

संक्रियात्मक परिभाषायें

प्राथमिक स्तर :–

उच्च प्राथमिक स्तर से अभिप्राय कक्षा 1 से 5 स्तर से है।

प्राथमिकशिक्षक :–

प्रस्तुत शोध में प्राथमिक शिक्षक से अभिप्राय नियमित विद्यालयों में कक्षा 1 से 5 में शिक्षण करने वाले शिक्षकों से है।

आशावादिता :–

आशावादिता से तात्पर्य किसी भी क्षेत्र में प्राप्त सफलता से अभिप्रेरित होकर दूसरे किसी भी कार्य या चुनौती को स्वीकार करने से है।

अनुसंधान विधि

प्रस्तुत शोध की समस्या की प्रकृति को ध्यान में रखकर सर्वेक्षण विधि को शोध विधि के रूप में प्रयुक्त किया गया है।

प्रदत्तों के स्रोत

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के स्रोत प्राथमिक हैं। प्राथमिक स्तर पर शिक्षण करने वाले शिक्षक प्रदत्तों के स्रोत हैं।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध हेतु जनसंख्या के रूप में उत्तरप्रदेश के आगरा मंडल के मथुरा तथा आगरा, जिले के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक हैं।

न्यायदर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में आगरा मंडल के मथुरा और आगरा जिले के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत कुल 800 शिक्षकों ;400 सरकारी तथा 400 गैर–सरकारी षिक्षकोंको यादृच्छिक विधि के माध्यम से न्यादर्ष हेतु चयन किया गया है।

शोध उपकरण

प्रदत्त संकलन हेतु आशावादिता मापनी (स्व–निर्मित) शोध उपकरण प्रयुक्त किया गया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

अध्ययन के उद्देश्यों एवं प्रदत्तों की प्रकृति के आधार पर प्रदत्तों का विष्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण सांख्यिकी द्वारा किया गया है।

→ विद्यालय प्रकृति के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता का प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या

प्राथमिक स्तर पर कार्यरत सरकारी एवं गैर–सरकारी शिक्षकों की आषावादिता सम्बन्धी प्रदत्तों के विश्लेषण को इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 1–विद्यालय प्रकृति के सन्दर्भ में प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता के अन्तर का सार्थकता स्तर

विद्यालय प्रकृति	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी–मूल्य	स्वतन्त्रता की कोटि	सारणी मूल्य	परिणाम
सरकारी	400	33ण्50	5ण्79	0ण्289	0ण्252	798	0ण्05 1ण्96	सार्थक अन्तर नहीं है।
गैर–सरकारी	400	33ण्40	5ण्72	0ण्286				

रेखाचित्र 1–सरकारी एवं गैर–सरकारी प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता

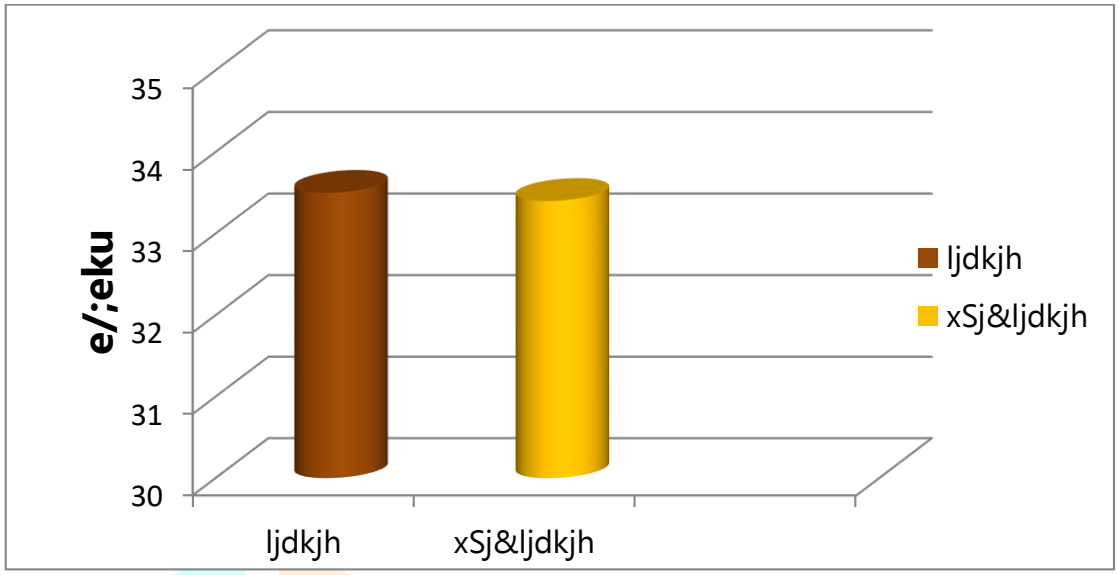

तालिका 1 एवं रेखाचित्र 1 से स्पष्ट होता है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी शिक्षकों की आषावादिता का मध्यमान क्रमशः 33.50 व 33.40 है। सरकारी शिक्षकों की आषावादिता का मानक विचलन 5.79 है एवं गैर–सरकारी शिक्षकों की आषावादिता का मानक विचलन 5.72 है। प्राप्त माध्यों के अन्तर की सार्थकता जाँच करने पर प्राप्त टी–मूल्य 0. 252 है। टी का सारणी मूल्य 0.05 स्तर पर 1.96 है। प्राप्त टी–मूल्य सारणी मूल्य से कम है। अतः कहा जा सकता है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी शिक्षकों की आषावादिता समान होती है।

प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर **परिकल्पना 1** ''सरकारी एवं गैर–सरकारी प्राथमिक शिक्षकों की आषावादिता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' स्वीकृत होती है। प्राथमिक स्तर पर सरकारी एवं गैर–सरकारी शिक्षकों की आषावादिता समान रूप में सामान्य स्तर की पायी गयी है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1- अख्तर सलीम, घयास सबा एवं अदिल अदनान (2013). एकिकेसी एण्ड ऑप्टिमिज्म एज प्रिडिक्टर्स ऑफ ऑर्गेनाइजेशनल कमिटमेन्ट अमंग बैंक एमप्लोईज. *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च स्टडीज इन साइकोलॉजी,* 2(2),2243–7681

2- अवे एवं एट अल (2009). साइकोलॉजिकल कैपिटल : एक पॉजिटिव रिसॉर्स फॉर कॉम्बेटिंग एम्पलॉयी स्ट्रेस एण्ड टर्नऑवर. *जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डवलपमेन्ट,* 48 (5), 677–693

3- अई, एमि एल. केम्पबैल टेरेसा इवान्स एवं सेन्टएन्जेलो लिन्डा के. एवं एट अल (2006). द ट्रोमेटिक इम्पेक्ट ऑफ द सेप्टेम्बर 11–2001, टेरिरिस्ट अटैक्स एण्ड द पोटेन्शिअल प्रोटेक्शन ऑप्टिमिज्म. *जर्नल ऑफ इण्टरपर्सनल वायोलेन्स,* 21(5), 689–700

4- अनवर मोम्ना एवं अनिस–उल–हक एम. (2014). टीचर अकेडमिक ऑप्टिमिज्म : ए प्रिलिमनरी स्टडी मेजरिंग द लेटेन्ट कन्सट्रक्ट, एफ डब्ल्यू यू. *जर्नल ऑफ सोशिअल साइन्सेज,* 8(1), 10–16

5- बेकेट डेविड (2010). ऑप्टिमिज्म, एण्ड इमोषनल इन्टेलिजेन्स एज पोटेन्षिअल मॉडरेटर्स ऑफ वर्कप्लेस स्ट्रेस. षोध प्रबन्ध द यूनिवर्सिटि ऑफ विन्चेस्टर, इंग्लैण्ड।

6- भटनागर, ए. बी. (2003). शैक्षिक अनुसंधान की कार्यप्रणाली. आर. लाल बुक डिपो, मेरठ।

7- चांग हुआ (2011). ए स्टडी ऑफ द रिलेशनशिप बिटविन डिस्ट्रीब्यूटेड लीडरशिप, टीचर अकेडमिक ऑप्टिमिज्म एण्ड स्टूडेन्ट अचिवमेन्ट इन ताईवानीज एलीमेन्टरी स्कूल. *लीडरशिप एण्ड मैनेजमेन्ट जर्नल,* 31(5), 491–515।

8- इओन, मिहैल (2013). वेज ऑफ ऑप्टिमाइजिंग लेसन ऑफ फिजिकल एजूकेशन एण्ड स्पोर्ट इन सैकेण्डरी साइकल. *जर्नल ऑफ प्रोसिडिया–सोशियल एण्ड बिहेवियरल साइन्सेज,* 76, 491–496

9- इरिगिट अरजू (2010). ए क्रॉस–एज स्टडी ऑन एलिमेन्टरी स्टूडेन्ट्स वैल्यू ऑरिएन्टेषन्स, इनवायरोमेन्टल ऑप्टिमिज्म लेवल्स एण्ड इनवायरोमेन्टल कन्सर्न. षोध प्रबन्ध द ग्रेजूऐट स्कूल ऑफ सोषिअल साइन्सेज,मिडिल इस्ट टेकनिकल यूनिवर्सिटि,तुर्की।

10- फही पेट्रिक, वू हसिन चिअ्ह, हॉय बेचने के. (2010). इन्डिविडूअल अकेडमिक ऑप्टिमिज्म ऑफ टीचर्स. एनुअल मिटिंग ऑफ द यूनिवर्सिटी काउन्सिल फॉर एडूकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन इन केलीफॉर्निआ, नवम्बर–2009, पृष्ठ 209–227

11- गुप्ता, एस. पी. (2006). सांख्यिकीय विधियाँ. शारदा पुस्तक भवन, पब्लिसर्श एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, यूनिवर्सिटी रोड़, इलाहाबाद।

12- होय वेयने के., टार्टर सी जॉन, होय अनीता वूलफॉल्क (2006). अकेडमिक ऑप्टिमिज्म ऑफ स्कूल्स : एक फोर्स फॉर स्टूडेन्ट अचिवमेन्ट. *अमेरिकन एजूकेशनल रिसर्च जर्नल,* 43(3), 425–446

13- कपिल, एच. के. (1996). अनुसंधान विधियाँ. हर प्रसाद भार्गव प्रकाशन, कचहरी घाट, आगरा।

14- कुर्ज, नन एम. (2006). द रिलेशनशिप बिटविन टीचर्स सेन्स ऑफ अकेडमिक ऑप्टिमिज्म एण्ड कमिटमैन्ट टू द प्रोकेशन. लघु शोध अध्ययन, कॉलेज ऑफ ऐजुकेशन ओहिओ विश्वविद्यालय, यू.एस.ए.

15- कस्सिडी, टोनी (2010). सोशिअल बैकग्राउण्ड, अचिवमेन्ट मोटिवेशन, ऑप्टिमिज्म एण्ड हेल्थ : ए लोंगीट्यूडनल स्टडी. *काउन्सलिंग साइकोलॉजी क्वाटरली जर्नल,* वॉल्यूम–13, नं.–4, पृष्ठ 399–412

16- केप्का, सब्रिना, बोमन्न सेड्रिक एवं अनोटा एमिलि एट ऑल (2013). द रिलेशनशिप बिटविन ट्रेट्स ऑप्टिमिज्म, एनजाइटी एण्ड हेल्थ रिलेटेड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन पैशैन्ट्स हॉस्पिटलाईज्ड फॉर क्रोनिक डिसिजस. *जर्नल ऑफ हेल्थ एण्ड क्वालिटि ऑफ लाइफ आउटकम्स,* वॉल्यूम–11 (1),165–183